1- परिवार कल, आज और कल

यहाँ टुइयाँ, शरद और उज़्मा के परिवारों के कुछ चित्र दिए गए हैं। चित्र को देखिए और चर्चा करिए।

नन्हा मेहमान-टुइयाँ का परिवार बहुत खुश है। उसके यहाँ नन्हीं सी बेटी का जन्म हुआ है।

टुइयाँ और भी खुश है उसे छोटी बहन मिल गई है।

चित्र देखकर लिखिए -

- टुइयाँ के परिवार में छोटी बहन के जन्म से पहले कौन-कौन थे ?.....
- अब इस परिवार में कुल मिलाकर कितने लोग हैं ? .....

बदली हो गई -

शरद के पापा को बैंक से पत्र मिला है। पत्र में लिखा है कि अब उनको दूसरे शहर के बैंक में काम करना है। सोचिए, जब शरद के पापा ने यह बात घरवालों को बताई होगी तो परिवार के लोगों को कैसा लगा होगा ?

पापा की बदली होने के कारण शरद के परिवार में क्या बदलेगा ?

चर्चा करिए

- पापा के साथ कौन जाएगा ?
- क्या शरद के दोस्त बदलेंगे ?
- क्या आपके परिवार में भी किसी को काम के कारण नई जगह जाना पड़ा था ?
- दूसरी जगह जाने के बाद उनसे आप कब-कब मिले - त्योहारों पर, किसी रिश्तेदार की शादी में या उनके पास जाकर।

शादी है -

आज उज़्मा के यहाँ सभी बहुत खुश हैं। उसके चचेरे भाई की शादी है। सभी लोग अलग-अलग कामों में व्यस्त हैं। शादी में उज़्मा अपने कई रिश्तेदारों से मिली। उसने यह भी देखा कि शादी कैसे होती है।

क्या इस शादी के कारण उज्मा के परिवार में कुछ बदलाव होंगे ?

क्या-क्या बदलाव होंगे ?

- जिस घर से उज़्मा की नई भाभी आई है, क्या उस परिवार में भी कुछ बदलाव हुए होंगे? क्या-क्या?
- दोस्तों से पता करिए कि उनके यहाँ शादी कैसे होती है ?
- शादी में क्या-क्या पकवान पकाए जाते हैं ?
- शादी के समारोह मंे किस तरह के गाने होते हैं ?

हमने देखा कि टुइयाँ, शरद और उज़्मा के परिवारों में अलग-अलग कारणों से बदलाव हुए हैं। क्या परिवारों में बदलाव के कुछ और कारण हो सकते हैं ? पता करिए और लिखिए -

गोपाल की यादें-

गोपाल के लिए शहर एकदम नया था। उसे यहाँ का रहन-सहन गाँव से अलग दिखता था। दिन तो विद्यालय जाने और पढ़ने में बीत जाता। मगर शाम को गाँव की बातें याद आतीं। नई जगह पर अभी उसका कोई ऐसा दोस्त भी नहीं था। जिससे वह अपने मन की बात कहता। आज वह आपको कुछ बातें बताना चाहता है।

हम लोग मंसूराबाद गाँव में एक बड़े परिवार की तरह रहते थे। अच्छे-बुरे समय में सब साथ मिलकर एक दूसरे की मदद करते थे। मैं अपने भाई-बहनों व चचेरे भाई-बहनों में सबसे छोटा था। हम सभी एक साथ रहते थे। परिवार के लोग खेती करते थे। खेती के अलावा मिट्टी के बर्तन बनाना, चारपाई बुनना, बांस से चीजें बनाने का काम तथा कपड़े सिलने का काम भी करते थे। बड़ों के साथ काम करके हम बच्चे भी उन कामों के बारे में बहुत कुछ सीख जाते थे।

चर्चा करिए-

- आपने अपने बड़ों से क्या सीखा हैं ?
- गाँव एवं शहर के रहन-सहन में क्या-क्या अंतर होते हैं ?

मंसूराबाद में हाइवे -

एक दिन गाँव वालों ने सुना कि यहाँ से हाइवे निकलेगा। बात सच निकली। मेरे खेत के साथ-साथ गाँव के कई लोगों के खेत हाइवे में मिल गए। हमें उसका हर्जाना तो मिला लेकिन हमारी जमीन जा चुकी थी। जो थोड़ी बची थी उस पर चाचा खेती करते थे। परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए नई जगह तलाशनी थी जहाँ काम के साथ-साथ रहने की भी व्यवस्था हो सके। आखिर एक दिन बाबा ने कहा कि हमें गाँव छोड़कर शहर जाना है। मुझे अपना घर, गाँव छोड़ना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा। वहीं तो थे, मेरे

सारे दोस्त। एक बात और थी मुझे मेरी दादी से बहुत प्यार था, मेरे चले जाने पर उनकी देखभाल कौन करेगा ? मैंने मन ही मन सोचा मैं जाऊँगा तो दादी को भी साथ ले जाऊँगा। दादी हमारे साथ आ गईं। शहर से थोड़ी दूर एक छोटा-सा घर मिल गया, हम सब वहीं रहने लगे।

हमें आज भी अपना गाँव नहीं भूला है। त्योहारों पर हम सभी अपने गाँव जाते हैं। वहाँ चाचाजी के साथ मिलकर पूड़ी-कचैड़ी, मिठाई और भी बहुत कुछ पकाते हैं। पास-पड़ोस के दोस्तों के साथ मिलकर खूब मौज करते हैं।

- आपके घर में बड़े बुजुर्गों की देखभाल के लिए क्या इंतजाम होता है ?
- आपके यहाँ त्योहारों में क्या-क्या पकवान पकाए जाते हैं।

बदलते रहते हैं परिवार -

सभी के परिवार किसी न किसी कारण बदलते रहते हैं। हमारे परिवारों में बदलाव होते हैं-

- नए बच्चे के जन्म होने पर
- विवाह होने पर
- पढ़ाई के लिए बाहर जाने पर
- घर से दूर नौकरी करने के कारण
- तबादला होने पर
- रोजी-रोटी और काम की तलाश में

साथियों से चर्चा करिए और परिवार में बदलाव के अन्य कारण भी लिखिए -

.....

हमारे परिवारों में कुछ न कुछ बदलाव होते रहते हैं। परिवारों में लोगों की संख्या भी सदैव एक जैसी नहीं रहती। जैस-जैसे समय बीतता है लोगों की संख्या कम या ज्यादा होती रहती है। प्राचीन समय में जब मनुष्य ने खेती करना शुरू किया तब वह एक स्थान पर

स्थायी होकर रहने लगा। खेती में बहुत लोगों की जरूरत पड़ती थी, अतः बहुत से सदस्य मिलजुल कर एक साथ रहने लगे। इससे एक बड़ा परिवार बना। परिवार की जरूरतें केवल खेती से पूरी नहीं होती थी। अतः व्यापार तथा अन्य व्यवसाय विकसित हुए। शहरों का विकास हुआ। मनुष्य उस जगह जाने लगे जहाँ उन्हें काम मिलता था। बड़े-बड़े परिवार अब छोटे होने लगे।

वर्तमान समय में दूसरे राज्यों या दूसरे देशों में जाकर शिक्षा प्राप्त करने का चलन बढ़ गया है। इसी तरह काम के सिलसिले में भी लोग दूसरे राज्य या देश में जाकर रहते हैं। बहुत से परिवारों से केवल एक ही सदस्य दूसरी जगह जाकर रहता है। कुछ परिवारों के कई लोग बाहर रहते हैं इससे भी परिवारों में बदलाव होते रहते हैं। इस तरह के बदलाव केवल हमारे ही परिवारों में ही नहीं बल्कि पूरे समाज में होते हैं।

अभ्यास

1. बदलाव के कारण लिखो -

- टुइयाँ के परिवार में .....
- शरद के परिवार में .....
- उज़्मा के परिवार में .....

2. परिवार में बदलाव किन-किन कारणों से होता है ?

3. अपने दादा-दादी या नानी-नाना से पता करिए कि जब वे आपकी उम्र के थे, तब उनके परिवार में कौन-कौन था ?

4. गोपाल के परिवार मंे क्या-क्या काम होता था ?

5. गोपाल को गाँव छोड़ना क्यों नहीं अच्छा लगा ?

6. खेती करने के बाद मनुष्य के जीवन में क्या बदलाव आया ?

7. क्या आपकी कक्षा या स्कूल में भी दूसरी जगह से बच्चे आएँ हैं यदि हाँ तो उनसे बातचीत करिए -

- वे कहाँ से आए हैं ?
- उन्हें यहाँ क्या-क्या नया लगा ?
- क्या उन्हें यह बदलाव अच्छा लगा ?

8 अपने परिवार के सबसे बुजुर्ग और दोस्त के परिवार में किसी बड़े से बात करके नीचे की तालिका पूरी करो -

प्रश्न	आपका परिवार	दोस्त का परिवार
आपका परिवार लगभग कितने वर्षों से यहाँ रह रहा है?		
आज आपके परिवार में कितने लोग हैं ?		
आपके परिवार में दस साल पहले कितने लोग थे?		
आपके परिवार में जो बदलाव हुए हैं उसके क्या कारण है?		
इन बदलावों से आपको कैसा लगता है?		

9. आप जब किसी शादी में गए थे, उसमें आपने क्या-क्या देखा? अपनी कॉपी में चित्र बनाकर दोस्तों को दिखाइए, उनके द्वारा बनाए गए चित्र भी देखिए।

शिक्षक निर्देश-

1. बदलाव जिंदगी का हिस्सा है। इन बदलावों का बच्चों पर गहरा असर हो सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि इस चर्चा को संवेदनशीलता से करें।

2. कक्षा में बच्चों से परिवार छोड़ने के कारणों पर चर्चा करवाएँ। इससे बच्चों में परिवार पर पड़ने वाले प्रभावों के प्रति समझ विकसित होगी।